



अनुक्रमिका

पृष्ठ 1

- भा.वा.अ.शि.प. के शासक मंडल की 58^{वीं} बैठक
- भा.वा.अ.शि.प. के हरित उत्पाद

पृष्ठ 2

- महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

पृष्ठ 3

- परामर्श
- प्रदर्शनी

पृष्ठ 4

- कार्यशालाएं/संगोष्ठी/बैठकें

पृष्ठ 5

- प्रशिक्षण

पृष्ठ 6

- समझौता ज्ञापन
- आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी की लोकप्रियता
- मानव संसाधन समाचार

भा.वा.अ.शि.प. के शासक मंडल की 58^{वीं} बैठक

सचिव (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन), भारत सरकार एवं अध्यक्ष, भा.वा.अ.शि.प. शासक मंडल की अध्यक्षता में भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के शासक मंडल की 58^{वीं} बैठक का आयोजन 22 जनवरी 2021 को किया गया। सचिव (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन) एवं भा.वा.अ.शि.प. शासक मंडल के अध्यक्ष ने अपने उद्घाटन सम्बोधन में भा.वा.अ.शि.प. की अभिनव अनुसंधान पहल की सराहना की। वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव और शासक मंडल के उपाध्यक्ष ने भा.वा.अ.शि.प. की अनुसंधान गतिविधियों की सराहना की। अध्यक्ष की अनुमति से क्रमानुसार 13 एजेंडा मदों पर चर्चा की गई। सचिव (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन) एवं भा.वा.अ.शि.प. शासक मंडल के अध्यक्ष ने “वानिकी में उत्कृष्टता के लिए भा.वा.अ.शि.प. पुरस्कार – 2019” की घोषणा की तथा शासक मंडल ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। भा.वा.अ.शि.प. शासक मंडल के अध्यक्ष द्वारा सात प्रकाशन भी विमोचित किए गए।



भा.वा.अ.शि.प. के शासक मंडल की 58^{वीं} बैठक

भा.वा.अ.शि.प. के हरित उत्पाद

व.अ.वृ.प्र.सं. ने 28 जनवरी 2021 को व.अ.वृ.प्र.सं. द्वारा उत्पादित तीन उत्पाद जारी किए, जो हैं: 1) मीलिया डूबिया के बागान में उपज का आकलन करने के लिए किसान अनुकूल मोबाइल ऐप “Wood yield calculator”, 2) कपास से बना हुआ और हरड़, एलोवीरा, हल्दी और अनार के छिलके जैसे प्राकृतिक रंगबंधक के साथ यूकेलिप्टस के पत्तों के अर्क से रंगा हुआ—“डी.वाय.ई.सी.ओ.पी. फेस मास्क”, और 3) बीज बॉल बनाने के लिए “व.अ.वृ.प्र.सं. – बीज केक मिक्स”, जो प्रत्यक्ष चोभ बुआई, छिटका बुआई, हवाई बिजारोपण, रोगजन एवं कीटों से बीजों के रक्षण के लिए उपयोग किया जा सकता है।



“Wood Yield Calculator” मोबाइल ऐप का लोकार्पण



“DYECOP Face Mask” फेस मास्क का लोकार्पण

महत्वपूर्ण

अनुसंधान

निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- क्रमशः साइट - 1 ढालूवाला कलां और साइट - 2 ढालूवाला मजबाटा में कदम, कचनार और भीमल के साथ तिल एवं गन्ने के लिए कृषि उपज आकलन तथा आंकड़ों का संकलन किया गया। उपर्युक्त साइटों पर कचनार, भीमल और कदम के रोपणों का रख-रखाव और अनुश्रवण कार्य प्रगति पर है।
- *डलबर्जिया सिस्सू*, *कैसिया फिस्टुला*, *पॉपुलस डेल्टोइडस*, *मैसुआ फेरिआ* और *मोरस ऐल्बा* जैसे विभिन्न वानिकी वृक्षों से न्यू फॉरेस्ट क्षेत्र एवं वानस्पतिक उद्यान, देहरादून से पालन-पोषण के लिए कीट अंड के कुल आठ प्रतिदर्शों को संग्रहीत किया गया। पांच अंड परजीव्याभ को प्रजातीय स्तर पर अभिनिर्धारित किया गया, जिन्हें पहले संग्रहीत व्यापक प्रतिदर्शों: *लाइमनेनॉन* प्रजा., *माईरूफेन्स एफ्रांगियता*, *म्यार टेप्रोबेनिकम*, *ओइनसिरटस सेग्रेस्टेस* और *ट्राइकोग्रामा सेमब्लिडिस* से छँटा गया है।
- उत्तराखंड में क्षेत्र सर्वेक्षण से रायोडीनिडी कुल की 8 प्रजातियों के लिए गए नमूनों के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्र तैयार किया गया। उत्तराखंड में नमूना लिए गए 3 कुलों से संबंधित तितलियों की 110 प्रजातियों के लिए डिभंकीय पोषी पादपों का आंकड़ा संचय तैयार किया गया है। जिनमें 130 खाद्य पादपों वाले पैपिलियोनिडी की 16 प्रजातियां, 145 खाद्य पादपों वाले पाइरिडी की 20 प्रजातियां और 501 खाद्य पादपों वाले निम्फलिडी की 74 प्रजातियां हैं।
- खारसू ओक बेधक, *जाइलोट्रेकस बेसिफुलीजिनोसस* हेलर के लार्वा चरण में जीवन चक्र पर परीक्षण किए गए एवं कोशित अवस्था का वर्णन किया गया। क्षेत्र से संग्रहीत बन ओक, *कर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* पर्णसमूह पर भरण करने वाले लाइमैट्रिड निष्पत्रक की एक प्रजाति के जीवन चक्र पर भी परीक्षण किए गए। चकराता वन प्रभाग में खारसू ओक वन और बेधक संक्रमण के प्रसार को दर्शाने के लिए निम्न के संबंध में भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्र तैयार किए गए: 1) बाधित और अबाधित ओक स्टैंड, 2) 3 एलिवेशन ग्रेडिएंट्स 3) वन उप-प्रकार। पश्चिमी हिमालयी ओक के निष्पत्रकों की 15 अन्य प्रजातियों के लिए आंकड़ा संचय तैयार किया गया और लेपिडोप्टेरा की कुल 113 प्रजातियों के लिए अद्यतन किया गया।
- राष्ट्रीय वन कीट संग्रहण के डिजीटलीकरण की प्रक्रिया में 600 तस्वीरों को संपादित और संपीड़ित किया गया। संग्रह में प्रत्येक प्रजाति को भौतिक रूप से सत्यापित करके पहले तैयार की गई सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर 3071 अवाप्ति/प्रजातियों के आंकड़ा संचय में सुधार किया गया।
- प्रयोगशाला में *होप्लोसिरेम्बिक्स स्पिनीकॉर्निस* पर जे.एच.टी.टी.ए.-1; जे.एच.टी.टी.ए.-डी.-2; जे.एच.टी.टी.ए.-अग. 3; जे.एच.टी.टी.ए.-अग. 4; जे.एच.टी.टी.ए.-अग. 5; जे.एच.टी.टी.ए.डी.6; जे.एच.टी.टी.ए.डी.7; टी.टी.जे.-2; टी.टी.-जे.-3; टी.टी.-जे.-4; टी.टी.-जे.-5; टी.टी.-जे.-डी.-6; टी.टी.-जे.-7; एफ.आर.आई.-एच.एस.; और

एफ.आर.आई.-493 के जैव प्रभावकारिता परीक्षण पर एकत्रित आंकड़ों का ऑल्फैक्टोमीटर का प्रयोग करके 50 से 200 माइक्रो लीटर की रेंज में अलग-अलग जोड़ पर विश्लेषण किया गया और यह पाया गया कि प्रयोगशाला में 150 माइक्रो लीटर की दर पर जेएचटीटीए-डी-1 की आकर्षण क्षमता अधिकतम है।

- इस महीने के दौरान 2500 प्रतिदर्शों को डिजीटलीकृत कर डिजीटल पादपालय प्रतिदर्श आंकड़ा संचय में प्रविष्ट किया गया। बिहार से एकत्रित *फाइकस लैमिनोसा*, *मैलोटस अल्बस*, *फाइकस ऑरिकुलाटा* को डीडी पादपालय में शामिल किया गया।
- उत्तराखंड में पाई जाने वाली *टैक्सस बैक्काटा* की दो आबादीयों की हिमशुष्कित और पीसी गई सूचिका का मेथनॉल के साथ सत्त निकाला गया। सत्त के 10-डेसीटाइलबैकेटीन-III से जाँच के लिए कॉलम क्रोमेटोग्राफी का उपयोग करके सत्त को शुद्ध किया गया।
- उत्तराखंड के उत्तरकाशी में उगाई जाने वाले *क्यूप्रेसस टोरुलोसा* की दो आबादी की सूचिकाओं और मसूरी के सूवाखोली में पाए जाने वाले *नियोलिटसिया अम्ब्रोसा* की एक आबादी की पत्तियों को जल आसवित किया गया और उनकी संगंध तैल सामग्री निर्धारित की गई।
- *क्यूप्रेसस टोरुलोसा* की पत्तियों में कुल फेनोलिक अंश और कुल फ्लेवोनोइड अंश तथा *पुनिका ग्रैनाटम* के छिलकों में कुल फ्लेवोनोइड सामग्री को उनकी एंटीऑक्सिडेंट क्षमता का आकलन करने के लिए निर्धारित किया गया।
- *यूकेलिप्टस सिट्रुओडोरा*, *ई. टैरीटिकॉर्निस*, *ई. हाइब्रिड* और *टूना सिलियाटा* के काष्ठ ग्रांथि से पृथक सत्त का उपयोग करते हुए ब्राउन रॉट और वाईट रॉट कवक के विरुद्ध उनकी जैवनाशी संभाव्यता का आकलन करने के लिए जिंक ऑक्साइड के नैनो कण को संश्लेषित किया गया।
- राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र जीन बैंक को जीवाणु अनुक्रम प्रस्तुत किया गया और *लेक्सिएला ऐरोजीन्स* (एम.डब्ल्यू. 475284) (454(a), सेरावाला कृषि, 0-30), *लाइसीनीबेसीलस ऐसीटोफेनॉन*, (एम.डब्ल्यू. 362768) (424, आशाबटर, खैर वन, 0-30), *स्यूडोमोनास स्ट्टजरी* (एम.डब्ल्यू. 444894) (466, सेरावाला, खैर वन, 30-60), *स्यूडोमोनास मोस्सेलाई* (एम.डब्ल्यू. 479151) (एच.बी.01, 310 (a) र्टीया, मिश्रित वन, 0-30) के रूप में अभिकथन संख्या प्राप्त किया।

वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर

- तमिलनाडू में अलग-अलग स्थानों से *टेक्टोना ग्रैण्डिस*, *ऐलन्थस एक्सलेसा*, *मेलिना अर्बोरिया* तथा *टैरोकार्पस सेन्टालिनस* जैसे वृक्षों की चार अलग-अलग प्रजातियों से 112 अंतः पादपी कवक को अलग किया गया, जिनमें से 15 की पहचान *ऐलिग्मा नार्सिसस* पर कीटरोगजनक महत्व के अंतः पादपी कवक के रूप में की गई। अंतः पादपी कवक *एस्परजिलस* प्रजा., *एस्परजिलस टेरस*, *ट्राइकोडर्मा हैरिजेनम*, *एक्रीमोनियम बोरोडिनेन्स*, *लेकैनिंसिलियम लेकैनाई* और *फ़ियालेमेमोनियम* प्रजा. का आण्विक अभिलक्षण किया गया।
- काइटोसन आधारित नैनो कण बनाए गए तथा अभिलक्षित किए गए। लक्षित कीट पीड़क पर आगे के मूल्यांकन के लिए कीटरोगजनक कवक को काइटोसन नैनो कण के साथ संपुटित किया गया।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- छाया गृह और क्षेत्र में *एल. रेटिकुलेटा* के चयनित पादप स्थापित किए गए। *रेटिकुलेटा* (जीवन्ती/डोडी) के गुणन के लिए ऊतक संवर्धन

नयाचार विकसित किया गया। सूक्ष्म प्रसार के लिए एक कर्तोतक के रूप में उपयोग किए जाने वाले केंद्रक खंड ने 5.0 mg/l बी.ए.पी. के साथ संशोधित एम.एस. माध्यम पर केंद्रक खंड से 80–90% कली विभंजन प्रतिक्रिया और 2–3 प्ररोह क्रम प्रसरण दर्शाया। 2.0 mg/l बी.ए.पी + 0.5 mg/l कार्बोनेटिन + 0.1 mg/l एल.ए.ए. के साथ संशोधित एम.एस. माध्यम पर सबसे अच्छे पात्रे प्ररोह गुणन पाए गए। 2.0 mg/l एल.बी.ए. और 100 mg/l सक्रिय चारकोल के साथ 1/4वें एम.एस. माध्यम पर सबसे अच्छी पात्रे मूलोत्पत्ति पायी गयी। 200 mg/l आई.बी.ए. के साथ पात्रे उभरे प्ररोह में 3 मिनट के लिए

पल्स उपचार द्वारा सबसे अच्छी पात्रे से बाहर मूलोत्पत्ति पायी गयी। विभिन्न कर्तोतक जैसे पत्तो, फूलों, पोरी और अपरिपक्व बीज का उपयोग कैलस प्रेरण के लिए किया गया। 2, 4-डी की विभिन्न सांद्रता के साथ संशोधित एम.एस. माध्यम पर प्रारंभिक कैलस प्राप्त किए गए। पत्तियों और पोरी खंड से प्राप्त कैलस के परिणामस्वरूप अंगोत्पत्ति प्राप्त हुआ जबकि फूलों और अपरिपक्व बीजों से प्राप्त कैलस के परिणामस्वरूप दैहिक भ्रूण जनन प्राप्त हुआ। ऊतक संवर्धन से उगाए गए पौधों को क्षेत्र अंतरण से पहले सख्त और अनुकूल बनाया गया।

परामर्श

वर्तमान में 09 परामर्श योजनाओं के अंतर्गत कार्य चल रहा है। जनवरी 2021 के महीने के दौरान किए गए कार्य इस प्रकार है :

- 'ओपन कास्ट कोयला खदानों के लिए पर्यावरण प्रदर्शन अनुक्रमणी के लिए मानकीकृत दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली' पर अंतिम प्रतिवेदन को.इ.लि., कोलकाता को प्रस्तुत किया गया।
- को.इ.लि. के 35 कोयला खदानों के ई.ए.-ई.पी.आई.आर. के लिए रोडमैप तैयार किया गया।
- उत्तराखंड के चमोली जिले से विष्णुगढ़ पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के कैट प्लान के अन्तर्गत कार्यान्वित गतिविधियों के तृतीय पक्ष के अनुश्रवण का आठवां प्रतिवेदन टी.एच.डी.सी. इंडिया लि. ऋषिकेश को प्रस्तुत किया गया।

iv. अध्ययन आंकड़ों के संग्रह के लिए क्षेत्र कार्य निम्न के अन्तर्गत किए गए हैं:

- आर. एंड आर. योजना, बी.सी.टी., कर्नाटक।
- एन.एम.डी.सी., बी.आई.ओ.एम., किरंदुल दक्षिण बस्तर, छत्तीसगढ़।
- छत्तीसगढ़ के सरगुजा में हसदेव अरंड कोयला खदान की जैवविविधता का निर्धारण।

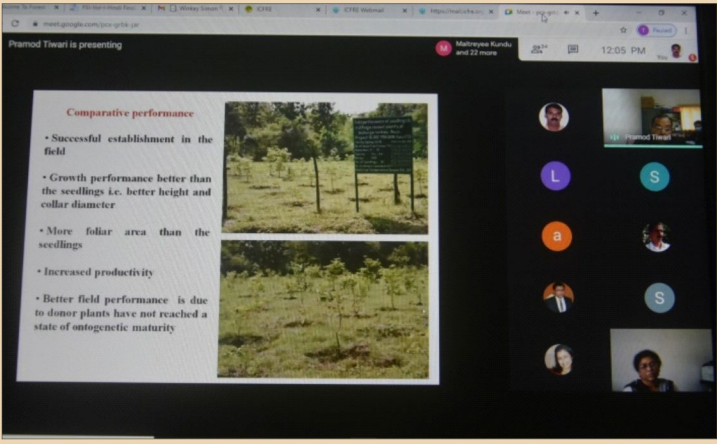

प्रदर्शनी

संस्थान	प्रतिभागी	अवधि	स्थान
शु.व.अ.सं., जोधपुर	आत्मनिर्भर भारत, 2021	11 और 12 जनवरी 2021	उदयपुर, राजस्थान



शु.व.अ.सं., जोधपुर ने आत्मनिर्भर भारत 2021 में भाग लिया

कार्यशालाएं/संगोष्ठी/बैठकें

क्र.सं.	विषय	अवधि	लाभार्थी
वन आनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर			
1.	महत्त्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों में वन-वर्धन अनुसंधान के लिए आगे के मार्ग पर वेबिनार	28 जनवरी 2021	शोधार्थी
रुष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर			
2.	स्टॉक प्लांट कार्यसाधन के माध्यम से गुणवत्ता रोपण सामग्री पर वेबिनार	6 जनवरी 2021	वानिकी के शोधार्थी एवं विद्यार्थी
			
स्टॉक प्लांट कार्यसाधन के माध्यम से गुणवत्ता रोपण सामग्री पर वेबिनार			
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर			
3.	'वन जल विज्ञान: उभरते मुद्दे और भविष्य की दिशाएँ' पर वेबिनार	12 जनवरी 2021	शु.व.अ.सं. के वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारी
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला			
4.	'ट्रांस हिमालयन शीत मरुस्थल में कृषि वानिकी: विविधता, वानिकी अंतःक्षेप एवं आजीविका सुरक्षा' पर संगोष्ठी	29 जनवरी 2021	वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी, शोधकर्मी एवं विद्यार्थी
वन उत्पादकता संस्थान, रांची			
5.	जंगली खाद्य फलन प्रजातियों पर वेबिनार	14 जनवरी 2021	-
वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद			
6.	सुरक्षा सूचना तंत्र प्रारूप पर बैठक	4 जनवरी 2021	रेड्ड+ से टी.एस.एफ.डी. एवं ओ.एस.एफ.डी. अधिकारी
7.	रक्त चंदन, टेरोकार्पस सेन्टलिनस एल.एफ. के संरक्षण एवं उत्पादकता सुधार पर संगोष्ठी	27 जनवरी 2021	व.जै.सं. के अधिकारी

प्रशिक्षण

क्र.सं.	विषय	अवधि	लाभार्थी
काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु			
1.	काष्ठ उत्पादन एवं उपयोजन में प्रगति	4 से 8 जनवरी 2021	भारतीय वन सेवा (भा.व.से.) अधिकारी
2.	चंदन पौधशाला/बीज प्रबंधन पौधशाला और रोपण प्रौद्योगिकी	20 और 21 जनवरी 2021	विभिन्न राज्यों के किसान
ऊष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर			
3.	जैविक खाद एवं इसके अनुप्रयोग	18 से 27 जनवरी 2021	छत्तीसगढ़ वन विभाग
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर			
4.	जैव उर्वरक के अनुप्रयोग पर ग्रामीण महिला किसान	6 और 29 जनवरी 2021	मथानिया और फलोदी, जोधपुर की ग्रामीण महिला किसान
वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट			
5.	बांस	4 और 5 जनवरी 2021	अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज़, नामसे, अरुणाचल प्रदेश के प्रशिक्षु



बांस के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

6.	सरकार में ई-प्रापण एवं क्रय प्रबंधन, भंडारिकी तथा अभिलेख अनुसंधान पर म.सं.वि. योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण	12 और 13 जनवरी 2021	भा.वा.अ.शि.प. के विभिन्न संस्थानों के प्रशासनिक कर्मचारी
----	---	---------------------	--

समझौता ज्ञापन

निदेशक, व.उ.सं., रांची ने 18 जनवरी 2021 को अगले पांच वर्षों में क्रमशः लगभग 8.50 हेक्टेयर और 10 हेक्टेयर क्षेत्र के तनावग्रस्त स्थलों के पुनर्वास के लिए दो समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से एक मुख्य महाप्रबंधक, मेघाहाताबुरु लौह अयस्क खदान, सेल और दूसरा मुख्य महाप्रबंधक, किरिबाती लौह अयस्क खदान, सेल के साथ किया गया है।

आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी की लोकप्रियता

कार्यक्रम विषय	चैनल	तिथि
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
वन्य जैवभार से प्राकृतिक रंजक	ए.आई.आर. आकाशवाणी केन्द्र, देहरादून	22 जनवरी 2021
बांस की खेती से कृषकों की समृद्धि	ए.आई.आर. आकाशवाणी केन्द्र, देहरादून	27 जनवरी 2021
बांस की खेती सरकारी योजना किसानों के लिए लाभदायक	आकाशवाणी, देहरादून और एन.डी.यू.ए.टी. मस्ती चैनल पर	29 जनवरी 2021

वन आनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर

गैस वन संग्रहालय	सूर्यन एफ.एम.	27 जनवरी 2021
------------------	---------------	---------------

मानव संसाधन समाचार

नियुक्तियां	अधिकारी का नाम	तिथि		तिथि
श्री दीपक मिश्रा, भा.व.से., सी.एफ., भा.वा.अ.शि.प., देहरादून		25.01.2021	श्री धीरज कुमार, वैज्ञानिक-‘बी’, व.अ.सं., देहरादून	15.01.2021
श्री ई. वेंकटरेड्डी, भा.व.से., सी.एफ., व.जै.सं., हैदराबाद		15.01.2021	श्री अश्रीथ के.एन., वैज्ञानिक-‘बी’, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बतूर	18.01.2021
श्री अजिन शेखर, वैज्ञानिक-‘बी’, ऊ.व.अ.सं., जबलपुर		01.01.2021	श्री सुर्थनी गिरी बाबू, वैज्ञानिक-‘बी’, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	18.01.2021
श्री राठौड़ दिग्विजय सिंह उमेदसिंह, वैज्ञानिक-‘बी’, ऊ.व.अ.सं., जबलपुर		04.01.2021	श्री नादा तादी, वैज्ञानिक-‘बी’, व.व.अ.सं., जोरहाट	18.01.2021
श्री कौशल त्रिपाठी, वैज्ञानिक-‘बी’, ऊ.व.अ.सं., जबलपुर		04.01.2021	श्री आशुतोष पाठक, वैज्ञानिक-‘बी’, व.अ.सं., देहरादून	18.01.2021
सुश्री अदिति टैलर, वैज्ञानिक-‘बी’, शु.व.अ.सं., जोधपुर		05.01.2021	श्री कोंडेबोइना मुरली, वैज्ञानिक-‘बी’, व.अ.सं., देहरादून	21.01.2021
सुश्री अंजलि जोशी, वैज्ञानिक-‘बी’, शु.व.अ.सं., जोधपुर		08.01.2021	श्री लोकेंद्र शर्मा, वैज्ञानिक-‘बी’, व.अ.सं., देहरादून	22.01.2021
श्री किंशुक मोदक, वैज्ञानिक-‘बी’, शु.व.अ.सं., जोधपुर		11.01.2021	श्री अभिषेक कुमार वर्मा, वैज्ञानिक-‘बी’, व.अ.सं., देहरादून	25.01.2021
श्री तन्मय कुमार भोई, वैज्ञानिक-‘बी’, शु.व.अ.सं., जोधपुर		11.01.2021		
श्री मोहन सी., वैज्ञानिक-‘बी’, ऊ.व.अ.सं., जबलपुर		11.01.2021	प्रत्यावर्तन	
श्री नीरज प्रजापति, वैज्ञानिक-‘बी’, ऊ.व.अ.सं., जबलपुर		11.01.2021	अधिकारी का नाम	तिथि
श्री निखिल वर्मा, वैज्ञानिक-‘बी’, ऊ.व.अ.सं., जबलपुर		11.01.2021	श्री पी.काथीर्वेल, भा.व.से., उ.व.सं., व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बतूर	21.01.2021
श्री मोहित हुसैन, वैज्ञानिक-‘बी’, व.अ.सं., देहरादून		12.01.2021		
श्री एल.आर. लक्ष्मीकांत पांडा, वैज्ञानिक-‘बी’, व.अ.सं., देहरादून		12.01.2021	सेवानिवृति	
श्री मोहम्मद अली नौशाद, वैज्ञानिक-‘बी’, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बतूर		12.01.2021	अधिकारी का नाम	तिथि
सुश्री जंगम दीपिका, वैज्ञानिक-‘बी’, ऊ.व.अ.सं., जबलपुर		13.01.2021	डॉ. पी.वी. सोमसेकर, मु.त.अ., का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	31.01.2021
श्री विनोद कुमार, वैज्ञानिक-‘बी’, व.जै.सं., हैदराबाद		13.01.2021		
सुश्री मुदंग यम्पी, वैज्ञानिक-‘बी’, व.व.अ.सं., जोरहाट		13.01.2021		
श्री कवि सिद्धार्थन वी., वैज्ञानिक-‘बी’, व.जै.सं., हैदराबाद		15.01.2021		
श्री विनोद कुमार कैंरन, वैज्ञानिक-‘बी’, व.अ.सं., देहरादून		15.01.2021		
श्री सारथ एस., वैज्ञानिक-‘बी’, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु		15.01.2021		

सरंक्षक:

श्री अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान

केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।

वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।

यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।